Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Expert Lecture on "Groundwater: Making the invisible Visible"

Newspaper: Amar Ujala **Date: 29-03-2022**

कार्यक्रम

हकेंवि में विश्व जल दिवस के अवसर पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

जल संकट : नदियों को जोड़ने पर दिया जोर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंटर डिसिप्लनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के तहत आने वाले पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा विश्व जल दिवस-2022 के तहत एंवायरमेंट एंड क्लाइमेट चेंज डिपार्टमेंट, पंचकूला की साझेदारी में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

ग्राउंड वाटरः मेकिंग द इनविजिबल विजिबल थीम पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. मनोज के. पंडित, यूनिवर्सिटी डी पिकार्डी फ्रांस के प्रो. राजबीर सिंह सांगवान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भारत के संदर्भ में भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। उन्होंने जल संसाधनों विशेषकर भूजल संरक्षण और उसके प्रबंधन के विषय में विशेष रूप से प्रयास करने पर जोर दिया। महेंद्रगढ़ व इसके आसपास के इलाकों में योजनागत ढंग से प्रयास करने की आवश्यकता है।

व्याख्यान में विशेषज्ञों को सम्मानित करतीं प्रो. नीलम सांगवान। संवाद

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. मनोज के. पंडित ने जलवायु परिवर्तन में उनके अनु प्रयोगों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने समझाया कि प्राकृतिक संसाधन पानी भविष्य के लिए कितना उपयोगी, जल संरक्षण का महत्व व उसके लिए आवश्यक प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। प्रो. राजबीर सिंह सांगवान ने प्लांट बायो टेक्नोलॉजी एंड मेटाबोलिक इंजीनियरिंग फॉर क्रॉप इंप्रूवमेंट एंड इंडस्ट्रियल एप्लीकेशन विषय पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कैसे जैव और कैस्पर टेक्नोलॉजी रेगिस्तानी क्षेत्रों में पौधे उगाने में सहायक है। इन तकनीकों के माध्यम से वाष्पोत्सर्जन की दर को कम किया जा सकता है। अधिष्ठाता, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अतिथियों का स्वागत किया और विश्व जल दिवस के लिए निर्धारित थीम के विषय में प्रतिभागियों को बताया। उन्होंने भारत में पानी की समस्या और उसकी समान उपलब्धता के विषय में भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की समन्वयक व पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया। उन्होंने इस मौके पर जल संकट से निपटने के लिए नदियों को जोड़ने पर जोर दिया। प्रो. पवन मौर्य और प्रो. सुरेंद्र सिंह ने प्रख्यात वक्ताओं का परिचय कराया।

इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. कांति प्रकाश, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. कल्प भूषण, डॉ. सुषमा, डॉ. मारुति सहित विभिन्न विभागों के विभागध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 29-03-2022**

जल संसाधनों के विकास के लिए भू-जल का संरक्षण व प्रबंधन महत्त्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत आने वाले पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा विश्व जल दिवस 2022 के अंतर्गत एन्वायरमेंट एंड क्लाइमेट चेंज डिपार्टमेंट, पंचकुला, हरियाणा की साझेदारी में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। ग्राउंड वाटरः मेकिंग द इनविजिबल विजिबल थीम पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. मनोज के. पंडित व यूनिवर्सिटी डी पिकार्डी फ्रांस के प्रो. राजबीर सिंह सांगवान

विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। वक्ताओं ने भारत में पानी की समस्या और उसकी समान उपलब्धता के विषय में भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम की समन्वयक व पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर प्रो. पवन मौर्य और प्रो. सुरिंदर सिंह ने प्रख्यात वक्ताओं का परिचय कराया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. कांति प्रकाश, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. कल्प भूषण, डॉ. सुषमा, डॉ. मारुति सहित विभिन्न विभागों के विभागध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 29-03-2022**

जल संसाधनों के विकास के लिए भूजल संरक्षण व प्रबंधन महत्वपूर्ण :प्रो. टंकेश्वर

विश्व जल दिवस 2022 के अंतर्गत विशेषज्ञ व्याख्यान का हुआ आयोजन

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के स्कूल आफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत आने वाले पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा विश्व जल दिवस 2022 के अंतर्गत एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट चेंज डिपार्टमेंट पंचकूला की साझेदारी में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। ग्राउंड वाटर मेकिंग द इनविजिबल विजिबल थीम पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. मनोज के पंडित व यूनिवर्सिटी डी पिकार्डी फ्रांस के प्रो. राजबीर सिंह सांगवान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भारत के संदर्भ में भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। उन्होंने इस अवसर पर जल संसाधनों विशेषकर भूजल संरक्षण और उसके प्रबंधन के विषय में विशेष रूप से प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ व इसके आसपास के इलाकों में योजनागत तरीके से प्रयास करने की आवश्यकता है।

हकेवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में विशेषज्ञों को सम्मानित करती प्रो. नीलम सांगवान • साभार संस्था

प्रो. टंकेश्वर कुमार •

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. मनोज के. पंडित ने अपने संबोधन में जल की हाइड्रो कैमिस्ट्री और जलवायु परिवर्तन में उनके अनुप्रयोग पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने समझाया कि प्राकृतिक संसाधन पानी भविष्य के लिए कितना उपयोगी है। उन्होंने विस्तार से जल संरक्षण की महत्ता व उसके लिए आवश्यक प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। इसी क्रम में प्रो. राजबीर सिंह सांगवान ने प्लांट बायो टेक्नोलॉजी एंड मेटाबोलिक इंजीनियरिंग फार क्राप इम्प्रूवमेंट एंड इंडस्ट्रियल एप्लीकेशन विषय पर विस्तार से जानकारी दी। प्रो. सांगवान ने बताया कि कैसे जैव और कैस्पर टेक्नोलाजी रेगिस्तानी क्षेत्रों में पौधे उगाने में सहायक है। उन्होंने आगे बताया कि इन तकनीकों के माध्यम से वाष्पोत्सर्जन की दर को कम किया जा सकता है। स्कूल ऑफ इंटर डिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अतिथियों का स्वागत किया और विश्व जल दिवस के लिए निर्धारित थीम के विषय में प्रतिभागियों को बताया। उन्होंने भारत में पानी की समस्या और उसकी समान उपलब्धता के विषय में भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम की समन्वयक व पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डा. मोना शर्मा ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया।

उन्होंने इस मौके पर जल संकट से निपटने के लिए नदियों को जोड़ने पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रो. पवन मौर्य और प्रो. सुरिंदर सिंह ने प्रख्यात वक्ताओं का परिचय कराया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. कांति प्रकाश, डा. मनोज कुमार, डा. कल्प भूषण, डा. सुषमा, डा. मारुति सहित विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 29-03-2022**

जल संसाधनों के विकास के लिए भूजल का संरक्षण व प्रबंधन महत्वपूर्ण : प्रो . टंकेश्वर कुमार

हकेंवि में आयोजित विशेषज्ञ व्याख्यान में विशेषज्ञों को सम्मानित करतीं प्रो. नीलम सांगवान।

महेंद्रगढ़, 28 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत आने वाले पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा विश्व जल दिवस 2022 के अंतर्गत एन्वायरनमैंट एंड क्लाइमेट चेंज डिपार्टमैंट, पंचकूला, हरियाणा की सांझेदारी में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। ग्राऊंड वाटर: मेकिंग द इनविजिबल विजिबल थीम पर केंद्रित इस विशेषज्ञ व्याख्यान में राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के प्रो. मनोज के. पंडित व यूनिवर्सिटी डी पिकार्डी फ्रांस के प्रो. राजबीर सिंह सांगवान विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि शुद्ध पेयजल की उपलब्धता भारत के संदर्भ में भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है।

उन्होंने इस अवसर पर जल संसाधनों विशेषकर भूजल संरक्षण और उसके प्रबंधन के विषय में विशेष रूप से प्रयास करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महेंद्रगढ़ व इसके आसपास के इलाकों में योजनागत ढंग से प्रयास करने की आवश्यकता है।

विशेषज्ञ वक्ता प्रो. मनोज के पंडित ने अपने संबोधन में जल की हाइड्रोकै मिस्ट्री और जलवायु परिवर्तन में उनके अनुप्रयोगों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने समझाया कि प्राकृतिक संसाधन पानी भविष्य के लिए कितना उपयोगी है। उन्होंने विस्तार से जल संरक्षण की महत्ता व उसके लिए आवश्यक प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। इसी क्रम में प्रो. राजबीर सिंह सांगवान ने प्लांट बायोटैक्नोलॉजी एंड मेटाबोलिक इंजीनियरिंग फॉर क्रॉप इम्प्रूवमैंट एंड इंडस्ट्रीयल एप्लीकेशन विषय पर विस्तार से जानकारी दी।

जैव और कैस्पर टैक्नोलॉजी रेगिस्तानी क्षेत्रों में पौधे उगाने में सहायक

प्रो. सांगवान ने बताया कि कैसे जैव और कैस्पर टैक्नोलॉजी रेगिस्तानी क्षेत्रों में पौधे उगाने में सहायक है। उन्होंने आगे बताया कि इन तकनीकों के माध्यम से वाष्पोत्सर्जन की दर को कम किया जा सकता है। स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज की अधिष्ठाता व शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने अतिथियों का स्वागत किया और विश्व जल दिवस के लिए निर्धारित थीम के विषय में प्रतिभागियों को बताया। उन्होंने भारत में पानी की समस्या और उसकी समान उपलब्धता के विषय में भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम की समन्वयक व पर्यावरण अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोना शर्मा ने अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया।

उन्होंने इस मौके पर जल संकट से निपटने के लिए नदियों को जोड़ने पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रो. पवन मौर्य और प्रो. सुरिंद्र सिंह ने प्रख्यात वक्ताओं का परिचय कराया। इस अवसर पर शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. कांति प्रकाश, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. कल्प भूषण, डॉ. सुषमा, डॉ. मारुति सहित विभिन्न विभागों के विभागध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: The Tribune **Date: 30-03-2022**

LECTURE ON GROUNDWATER

Mahendragarh: The department of environmental studies, School of Interdisciplinary and Applied Sciences at Central University of Haryana (CUH) celebrated the World Water Dayby organising a lecture on "Groundwater: Making the invisible visible" in collaboration with the environment and climate change department, Panchkula. Prof Manoj K Pandit from the University of Rajasthan, Jaipur and Prof Rajbir Singh Sangwan from France were the key speakers. Vice Chancellor Prof Tankeshwar Kumar said pure water was going to be one of the major problems in future. He highlighted the need of water resources and specially emphasised on groundwater conservation and management.

The Tribune Wed, 30 March 2022 https://epaper.tribun